VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01324858

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Ram Niwas Siyag

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

25/08/2024

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre

Jodhpur

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

साधन व साध्य दोनों ही की पवित्रता वांछनीय है। नैतिकता सिद्धि हेतु दोनों पूरक व सहायक की भूमिका निभाते हैं।

साध्य साधनों को उचित सिद्ध नहीं करते

(1) महात्मा गाँधी द्वारा आजादी की वांछिता हेतु • पवित्र साधन के प्रयोग के पक्षधर

उदा. > अहिंसा सर्वोपरि मूल्य सिद्ध

(2) मार्टिन लूथर किंग जूनियर का 1956 के नागरिक अधिकार आंदोलन में साधन की पवित्रता को महत्व

(3) महात्मा बुद्ध ⟶ मध्यम मार्गी उपागम भी साधन व साध्य दोनों पर विश्वास

(4) जापानी सैनिक शोइची योकोची का WW-II के संदर्भ में दृष्टिकोण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

पवित्र साधन : अति आवश्यकता

(1) इमैनुअल कांट का कर्तव्यवाद (Deontological) उपागम

(2) गाँधी जी ⇒ सत्य → साध्य
अहिंसा → साधन

(3) चाणक्यवादी उपागम का खंडन जो कि 'साम-दाम-दण्ड भेद' के द्वारा ~~सत्ता~~ स्थापना।
सत्ता

निष्कर्षतः पवित्र साध्य हेतु साधनों को पवित्र जानती है। भारत का "विश्ववादी मानववाद" भी पवित्र साधन का पक्षधार है।

1. (b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कानून व नैतिकता दोनों में परस्पर पूरक व सहयोगी संबंध है लेकिन कानून विधायिका द्वारा प्रवर्तित जबकि नैतिकता जनसामान्य की नीतिशास्त्रीय चेतना है।

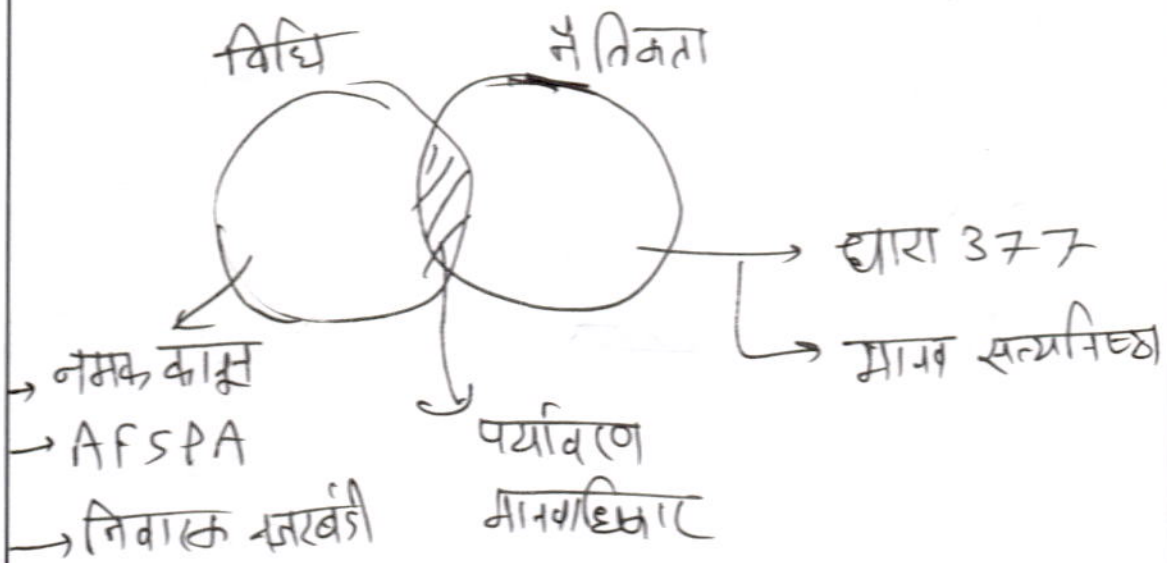

→ कानून व नैतिकता का गतिशील संबंध :—

(1) सर्वप्रथम जनसामान्य की चेतना
↓ कालांतर
विधायिका द्वारा विधि निर्माण

(2) नैतिकता समाज के अर्थ-सारतत्व में मौजूद तथा विधि भी बाद में क्रियान्वित होती है।

(3) सर्वप्रथम सती प्रथा को नैतिक स्तर पर चुनौती फिर

⇓

1830 में सती प्रथा विरोध कानून का निर्माण

(4) रंगभेद व नस्लभेद नैतिकतः अनुचित फिर 1990 दशक में साउथ अफ्रीका में नेल्सन मण्डेला का रंगभेद विरोधी कानून

(5) दास प्रथा को पहले सामाजिक नैतिकता का विरोधी माना फिर 1860s में अब्राहम लिंकन द्वारा विधि निर्माण

निष्कर्षतः कानून व नैतिकता परस्पर गतिशील स्वरूप में है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शुचिता व सत्यनिष्ठा दरअसल ईमानदारी को ही विकसित-उद्विकसित रूप माना जाता है लेकिन अग्रलिखित अंतर स्पष्ट है।

शुचिता	सत्यनिष्ठा
→ व्यावसायिक दृष्टिकोण	→ मनसा वाचा कर्मणा में सामंजस्य
→ व्यक्ति का अपने कार्य के प्रति दृष्टिकोण	→ समाज व व्यक्ति स्तर पर सक्रिय
उदा → M. विश्वेश्वरैया घर में दो कैंडल उपयोग → घरेलू अर्थ → ऑफिस कार्य	उदा → T.N. शेषण सरदार पटेल CAG विनोद राय → भूटान का सत्यनिष्ठ समाज

कैसे सिविल सेवा में मदद

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

(1) सरकारी नीति निर्माण एवं क्रियान्वयन में विशेष भूमिका

उदा. > आर्मस्ट्रांग पामे (मणिपुर IAS)

(2) सहानुभूतिपरक जन समस्या का समाधान

उदा. > प्रशांत नायर → ऑपरेशन सुलेमानी

(3) भ्रष्टाचार व वित्तीय अनियमितता

उदा. > D. रूपा का बैंगलोर जेल घोटाले का खुलासा करना।

(4) जनकेन्द्रित ब्यूरोक्रेसी

उदा. > S.R. शंकरन द्वारा बंधुआ मजदूरी उन्मूलन

हालांकि सत्यनिष्ठा का अभाव भ्रष्टाचार को जन्म देता है।

उदा. > पूजा सिंघल
नितेश जनार्दन ठाकुर

निष्पक्षता, शुचिता, सत्यनिष्ठा सिविल सेवा हेतु बेहद विशिष्ट मूल्य है।

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

WHO द्वारा सूचना आधिक्य के 'इंफोडेमिक युग' में सूचना गोपनीयता व पारदर्शिता दोनों ही प्रशासन हेतु समान उपयोगी है।

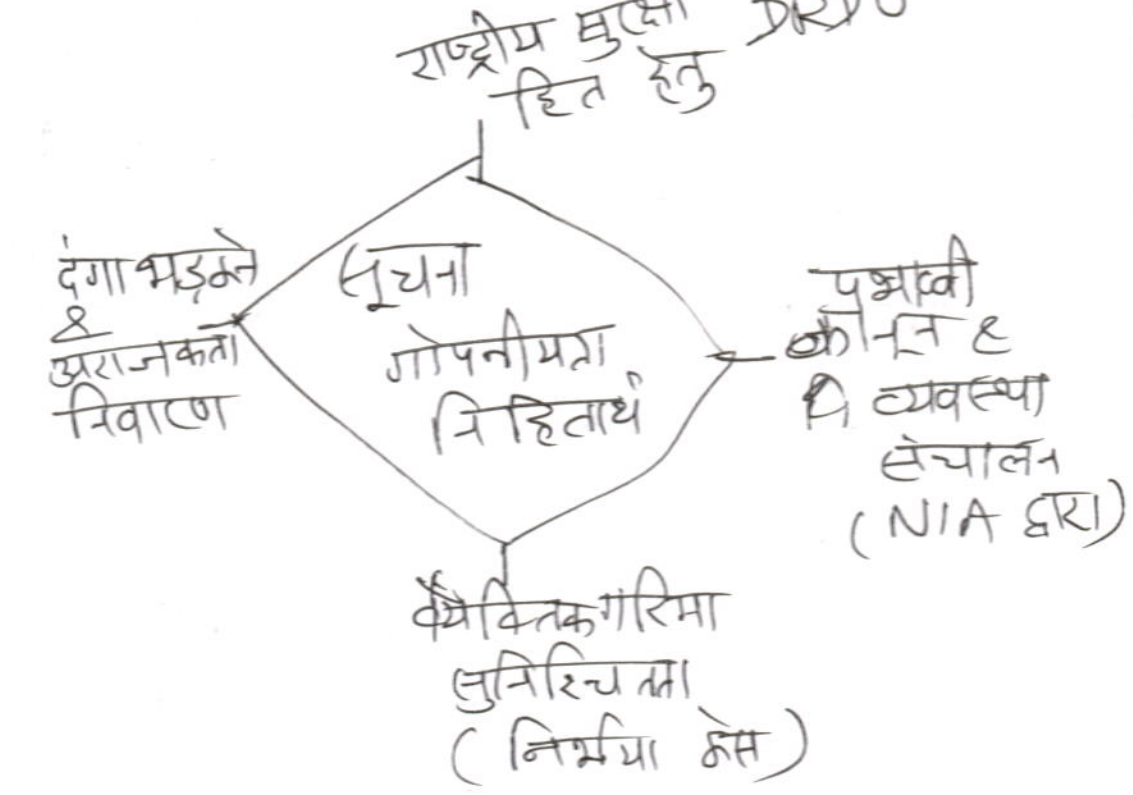

पारदर्शिता
↳ RTI के माध्यम से
घोटाले उजागर
Eg. गुंटूर नगरपालिका केस

(2) CAG विनोद रॉय द्वारा 2-G स्पेक्ट्रम व अन्य घोटाले उजागर करना।

(3) प्रशासन की जवाबदेहिता सुनिश्चित तथा गलत कार्यों हेतु दण्ड प्रावधान

उदा- U. सांगयाम (IAS) द्वारा अपनी संपत्ति विवरण वेबसाइट पर अपलोड.

(4) स्टेशनरी आदि संदर्भों में घोटाले उजागर

उदा- GeM पोर्टल द्वारा प्रकट

(5) क्रोनी कैपिटलिज्म व अनैतिक गठबंधन उजागर

उदा- बिहार में शराब माफिया

निष्कर्षतः पारदर्शिता न केवल सांस्थानिक जवाबदेहिता बढ़ाती है ताकि वित्तीय कुशलता - धन प्रबंधन सुनिश्चित करती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किसी बच्चे, व्यस्क हेतु परिवार व ~~अप~~ उसके परिवारजन न केवल सामाजिक सद्भाव विकसित है बल्कि नैतिक मूल्यों का समावेश भी करते है)

सभ्य घर ≥ स्कूल

(1) गाँधीजी को गुजराती संस्कारित घर में परिवेश मिला परिणामस्वरूप सत्य- अहिंसा जैसे मूल्य प्रकट

(2) नेहरू परिवार की वजह से पंडित जवाहरलाल नेहरू राजनीति के प्रति अधिक रुचिपूर्ण बने।

(3) शिवाजी महाराज का भोंसले परिवार में शिष्ट परिवेश में पालन - पोषण

सद्गुणी माता-पिता ≥ शिक्षक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(1) भगतसिंह की समाजवादी विचारधारा के संदर्भ में अजीतसिंह का योगदान

(2) गाँधीजी का माता पुतलीबाई द्वारा उन्हें अधिक जनसंवेदनशील बनाया जाना।

(3) रतन टाटा के संदर्भ में J.R.D. टाटा का योगदान
[रतन टाटा → 1500करोड → कैंसर हॉस्पिटल]

(4) पं. मोतीलाल नेहरूजी द्वारा पं. जवाहर लाल नेहरू का शिक्षक के समान पालन-पोषण करना।

निष्कर्षत: सभ्य घर व सद्गुणी माता-पिता बालक के सर्वांगीण विकास हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान सभ्य भारत में इस पहलु की अति आवश्यकता है।

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान संघर्षशील विश्व मे लोगो द्वारा सामाजिक-आर्थिक-राजनीति परिवर्तन की चाहत है लेकिन वैयक्तिक परिवर्तन हेतु बहुत कम ही उदाहरण मिलते है।

(1) विवेकानंद द्वारा रामकृष्ण परमहंस की शिक्षा के तहत अपने व्यक्तित्व मे बेहद विशिष्ट परिवर्तन किये गये।

(2) श्री अरविन्दो घोष की मीराम्बिका स्कूल तथा पाण्डिचेरी आश्रम में अद्वैत वेदान्त दर्शन द्वारा खुद मे बदलने की चाहत

(3) शंकराचार्य का अद्वैतवाद भी इसी संदर्भ में विशेष प्रासंगिक है।

(4) राजा राममोहन राय द्वारा वैयक्तिक परिवर्तन पर बल तत्पश्चात् सती प्रथा में परिवर्तन को महत्व।

(5) ग्रीक दार्शनिक
↳ प्लेटो का सम्मम बोनम अवधारणा
↳ सुकरात → दार्शनिक राजा की अवधारणा

विद्वान जो स्व-परिवर्तन व विश्व परिवर्तन दोनों पर बल

(1) गाँधीजी की सर्वोदय अंत्योदय अवधारणा

(2) रोनाल्डो, सचिन तेन्दुलकर,

(3) नेल्सन मण्डेला

(4) मार्टिन लूथर किंग जूनियर

निष्कर्षतः वांछित स्वपरिवर्तन द्वारा ही विश्व में अपेक्षित परिवर्तन संभव है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वांछित व अनुकूल अभिलक्षणों को ग्रहण करके स्व-व्यक्तित्व को आकर्षित बनाने हेतु मानव द्वारा अत्यन्त धारणा परिवर्तन को महत्व दिया गया।

कन्फ्यूशियस का विचार

① **उबंटू फिलोसॉफी** में इस मत का समर्थन कि कायर व्यक्ति स्व-परिवर्तन हेतु तटस्थ एवं उदासीन होता है।

② **मीर जाफर** जैसे कायर योद्धा भी भारतीय गुलामी हेतु जिम्मेदार जो सत्य को अपना नहीं पाये।

③ पृथ्वीराज चौहान का प्रतिस्पर्धी **जयचन्द** भी मोहम्मद गौरी से मिलकर कायरता प्रदर्शित

(4) नेल्सन मण्डेला का 'The Elders' Project भी रंगभेद समर्थकों को इसी संदर्भ में उल्लेखित करता है।

(5) 'खान अब्दुल गफ्फार खान' द्वारा पेशावर विद्रोहियों की कायरता को दूर करने हेतु इसी मत को समर्थन

(6) आत्मविश्लेषण के पश्चात ही ग्राह्यता सुनिश्चित होनी चाहिए।

(7) नेपोलियन बोनापार्ट द्वारा वाटरलू युद्ध में प्रदर्शित

(8) बाबर द्वारा तुलुगमा पद्धति द्वारा युद्ध विजयी करना जो अनैतिक थी।

निष्कर्ष: इस प्रकार हमेशा ही सही विचारों - भावों को ग्रहण व आत्मसात करना ही उपेक्षित मूल्य माना जाता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अभिवृत्ति से तात्पर्य है कि व्यक्ति की विशिष्ट विषय-मुद्दे के संदर्भ में नजरिया-सोच से है। सकारात्मक अभिवृत्ति ही व्यक्ति के सर्वांगीण विकास हेतु सहायक तत्व है।

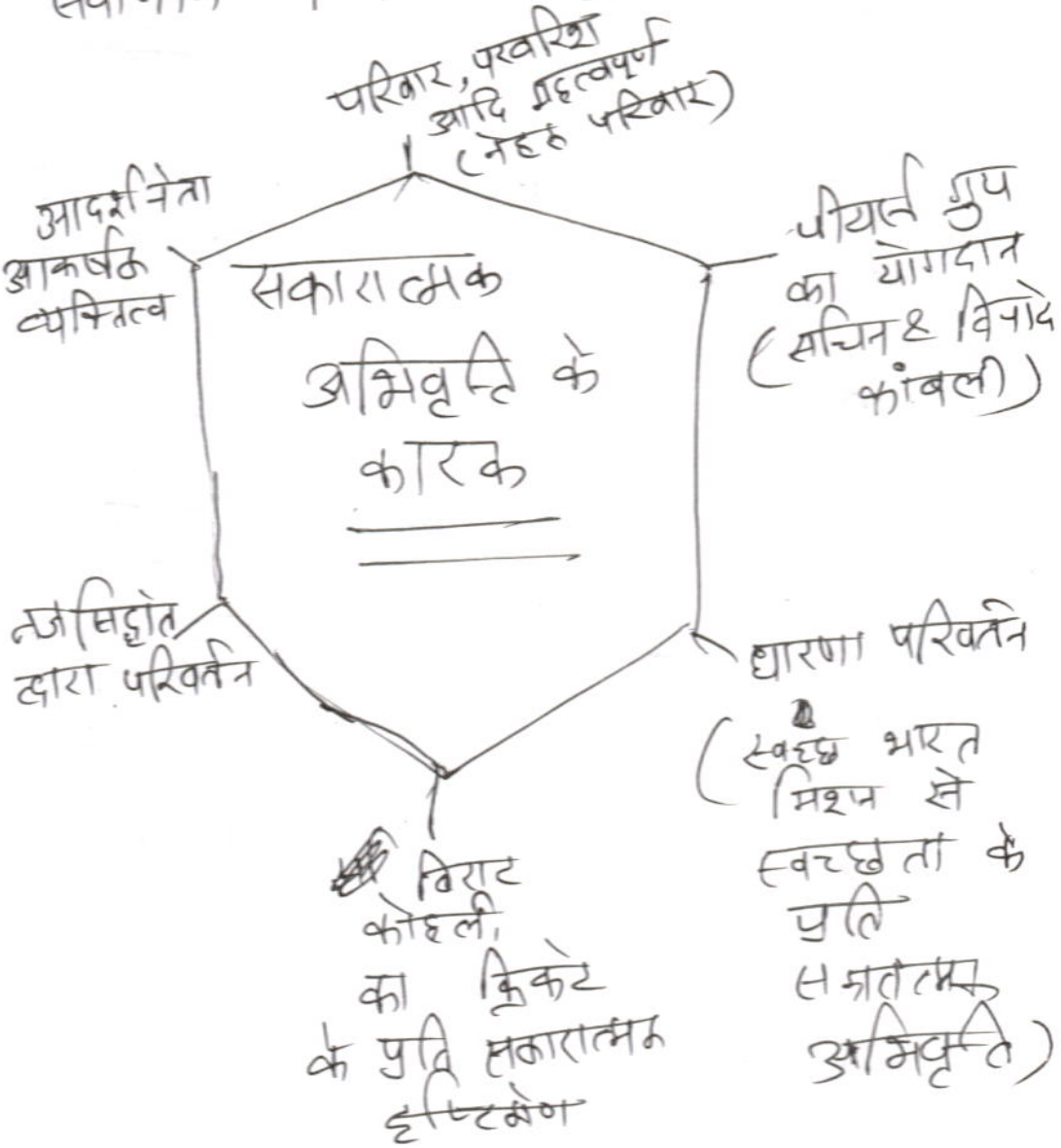

सिविल सेवकों की दक्षता में वृद्धि

(1) जनजातीय कल्याण हेतु प्रतिबद्धता

उदा. प्रोजेक्ट वैरेना → स्वास्थ्य आपूर्ति

(2) जनकल्याण को साध्य मानने में मदद

उदा. शिवदीप लांडे IPS

(3) बिना राजकीय समर्थन के भी प्रोजेक्ट पूर्ति

उदा. आर्मस्ट्रांग पामे द्वारा मणिपुर में सड़क निर्माण

(4) मेट्रो मैन ई-श्रीधरन → DMRC का संचालन हेतु

(5) सत्येन्द्र दुबे → गोल्डन क्वाड्रिलेटरल प्रोजेक्ट ~~योजना~~ में भ्रष्टाचार उजागर

~~निष्कर्षतः~~

Your Attitude (not Aptitude) determines your ~~Al~~ Altitude

(अर्थात् सकारात्मक अभिवृत्ति कार्य सफलता हेतु सहायक)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य स्व-भावनाओं को पहचानकर फिर प्राप्त ज्ञान से जनभावनाओं के हित-अनुकूल कार्य करना ही भावनात्मक बुद्धिमत्ता है।

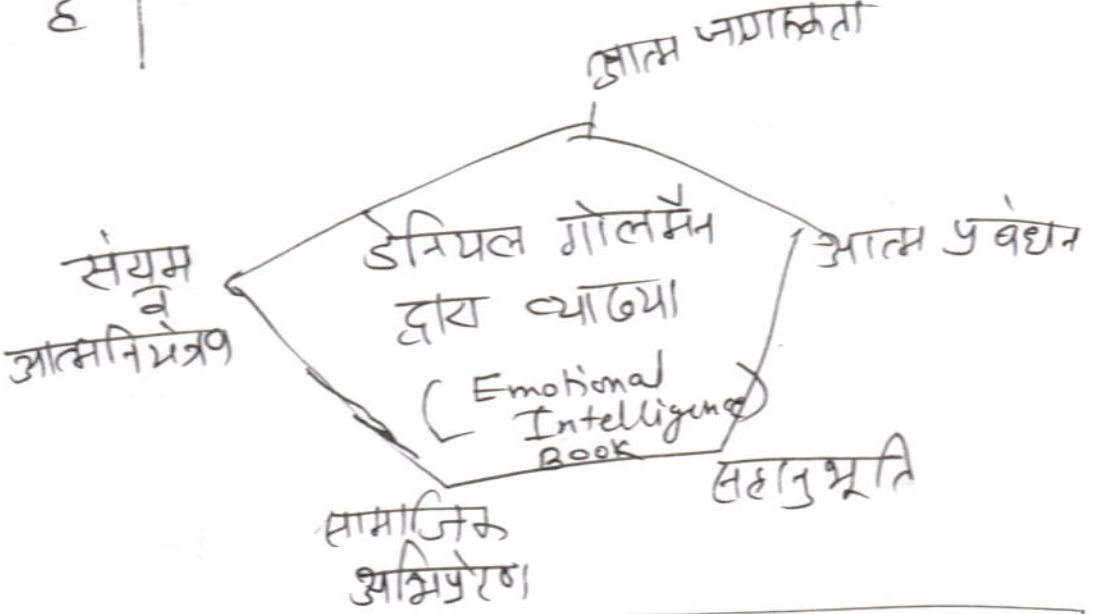

सीमित सार्वजनिक संसाधन ⇒ नैतिक निर्णयन

(1) अल्प संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित करके कार्य निष्पादन

उदा. डॉ. प्रशांत नायर
↳ निःशुल्क फूड कूपन आवंटन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) बिना संसाधनों के भी कार्य निष्पादन सम्पन्न करना

उदा- आर्मस्ट्रांग पामे → मणिपुर में 100 km सड़क निर्माण

(3) वैयक्तिक स्तर पर योगदान

→ मानुषा & शिवदीप नामक कर्नाटक विवाहित युगल द्वारा सोमेश्वर तट को स्वच्छ करना

→ प्रदीप सांगवान → हीलींग हिमालय फाउण्डेशन

(4) सामाजिक स्तर पर योगदान -

→ सुलभ इंटरनेशनल बिना सार्वजनिक आवंटन → 1.5 मिलियन शौचालय निर्माण

→ ट्रांसजेण्डर संदर्भ में TWIST संगठन

निष्कर्षतः भावनात्मक बुद्धिमत्ता द्वारा नैतिक निर्णयन को विशिष्टतः महत्वपूर्णतः प्रभावित किया जाता है।

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मानवतावादी संगठन द्वारा वैश्विकतः अनेक आपातकालीन सहायता प्रदान की जाती है जो कि उनके विश्वबंधुवाद व वसुधैव कुटुम्बकम् दर्शन के तहत होती है।

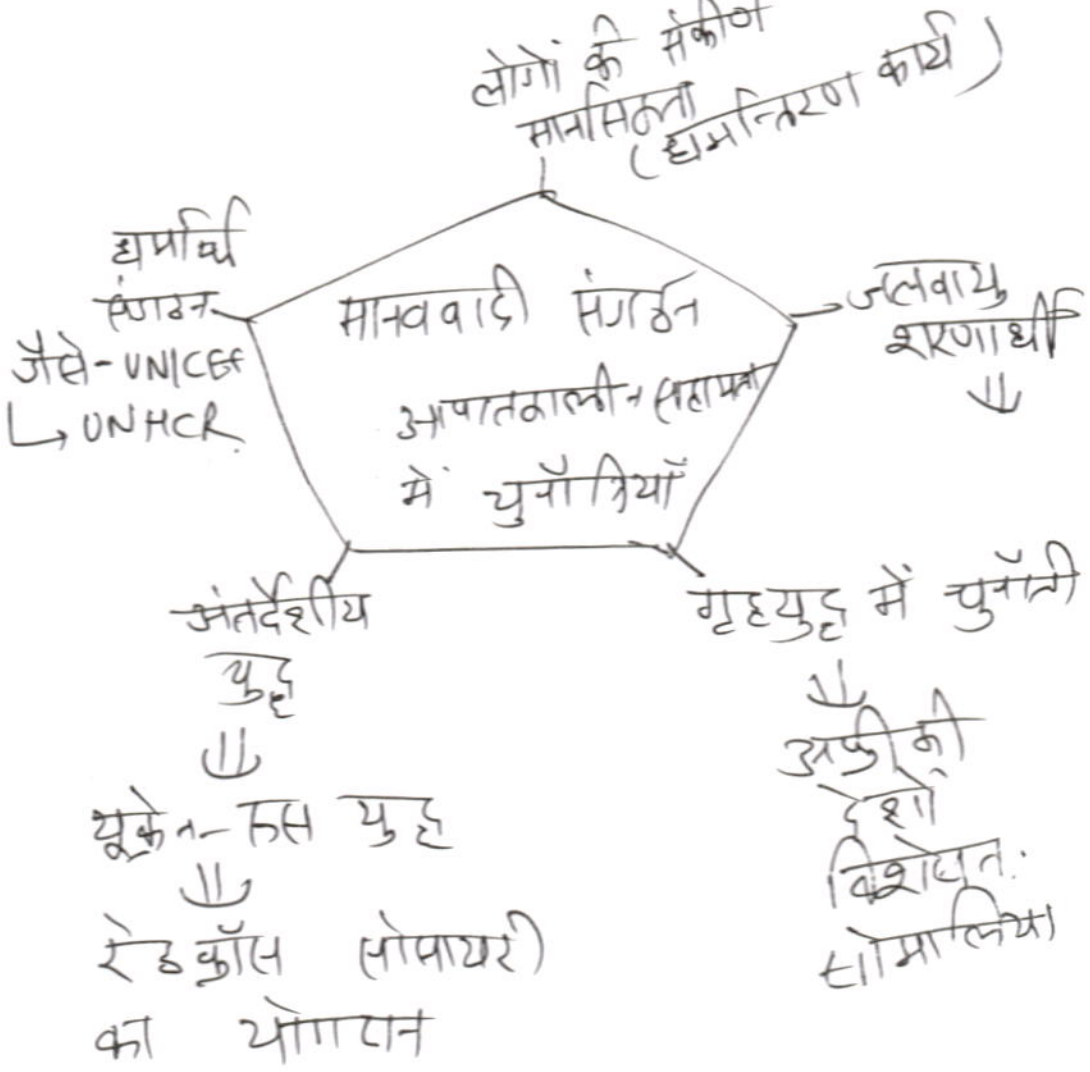

अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी के मार्गदर्शक सिद्धांत

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. उबंटू फिलोसॉफी
   → गरीब हित में ही सार्वभौमिक हित निहित
2. भारतीय धर्म → वसुधैव कुटुम्बकम्
3. ईसाई धर्म → good samaritan आदि विचारधारा
4. विश्वबंधुत्ववादी दृष्टिकोण
5. यूनिवर्सल ब्रदरहुड अवधारणा
6. 'परोपकाय पुण्याय'
7. जियो और जीने दो (Live and let live)

निष्कर्षत: मानवतावादी संगठनों द्वारा वैश्विक स्तर पर अनेक हितैषी कार्य किए जाते है जो कि तारीफ-ए काबिल है।

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अनुनय के तहत दोनों पक्षों के बीच भावनात्मक समाधान की चाहत जो कि परस्पर अंतर्क्रिया के द्वारा ही संभव हो पाता है।

सिविल सेवकों हेतु महत्वपूर्ण कौशल

(1) सेवा प्रदायगी व नीति क्रियान्वयन में
उदा. स्वच्छ भारत अभियान का सफल क्रियान्वयन

(2) जनकल्याण सर्वोपरि अवधारणा
उदा. अधुनिक बेबरियन ब्यूरोक्रेसी

(3) जागरूकता सृजन
उदा. MAA अभियान

(4) नज सिद्धांत का प्रयोग।
उदा. कैरेट - स्टिक पॉलिसी

गवर्नेन्स में निर्देशित विचार

(1) समाज सुधार की चाहत

उदा. S.R शंकरन बंधुआ मजदूरी उन्मूलन

(2) [मिनिमम गवर्नमेन्ट मैक्सिमम गवर्नेन्स]

(3) जनकल्याणकारी राज्य की अवधारणा।

उदा. विश्व बैंक → G&D रिपोर्ट

(4) राम-राज्य की अवधारणा द्वारा अनुनय को प्रभावित

(5) चाणक्य की योगक्षेम अवधारणा

(6) उबंटू फिलोसॉफी

निष्कर्षतः अनुनय एक महत्वपूर्ण कौशल है जो कि समाज-देश विकास हेतु महत्वपूर्ण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भ्रष्टाचार एक आर्थिक-नैतिक पतन है जिसमें भ्रष्टाचारी द्वारा देशहित की तुलना में संकीर्ण हित का संवर्द्धन किया जाता है।

नैतिक नेतृत्व की भूमिका

(1) सूर्य एक है जो समस्त (अंधकारमय) ब्रह्माण्ड को प्रकाशित करता है

उदा. सत्येन्द्र दुबे द्वारा सड़क घोटाले को उजागर

(2) • सार्वजनिक धन की मितव्ययिता को रोकने हेतु प्रयोग

उदा. CAG विनोद रॉय द्वारा भ्रष्टाचार उजागर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) एडवर्ड गिब्बन ने नैतिक नेतृत्व को भ्रष्टाचार का संरक्षक माना।
रोमन साम्राज्य का पतन का कारण था → भ्रष्टाचार

[fall & Decline of Roman Empire Book → एडवर्ड गिब्बन]

(4) सम्पूर्ण सार्वजनिक तंत्र को ईमानदार बनाने हेतु
उदा. अशोक खेमका (IAS)

(5) वन विभाग (हरियाणा) घोटाले का उजागर करने में डॉ. संजीव चतुर्वेदी (IFoS) का योगदान

निष्कर्षतः भ्रष्टाचार पर वार करने हेतु, नैतिक नेतृत्व विशेष भूमिका निभाता है।

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आर्य समाज के संस्थापक के रूप में दयानंद सरस्वती द्वारा अनेक सामाजिक - धार्मिक कुरीतियों पर प्रहार किया गया।

शिक्षाएँ	प्रासंगिकता
① धार्मिक आडम्बर का निषेध (शिष्ट धर्माचार को महत्व) →	① आधुनिक धार्मिक पन्थों का निराकरण हेतु → आशाराम बापू → राम रहीम
② शुद्ध आर्य संस्कृति व जीवन शैली का प्रयोग। →	② उपभोक्तावाद पाश्चात्यवाद पर वार करने हेतु

(3) वैदिक सद्-आचरणों को प्रोत्साहन →	आधुनिक अनैतिक कार्यकलाप बाधित (भ्रष्टाचार)
(4) जीव-प्रेम तथा अहिंसा को महत्व →	मॉब लिंचिंग व पशुहिंसा का निवारण संभव
(5) वैयक्तिक शुचिता -सत्यनिष्ठा का पालन →	अनैतिक दुराचार की रोकथाम संभव
(6) धार्मिक सद्चरित्र को महत्व प्रदत्त →	मठों में यौन दुराचार का निवारण

निष्कर्षतः वर्तमानगत संदर्भों में दयानंद सरस्वती की शिक्षायें अति महत्वपूर्ण भूमिका निभा पाती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।

(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?

(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.

(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?

(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

प्रस्तुत केस स्टडी में यौन दुराचार व उसके प्रतिरोध संबंधी कृत्य वर्णित है। 'विशाखा v/s राजस्थान राज्य केस' में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कार्यस्थल पर यौन असैनिकता पर टिप्पणी की गई।

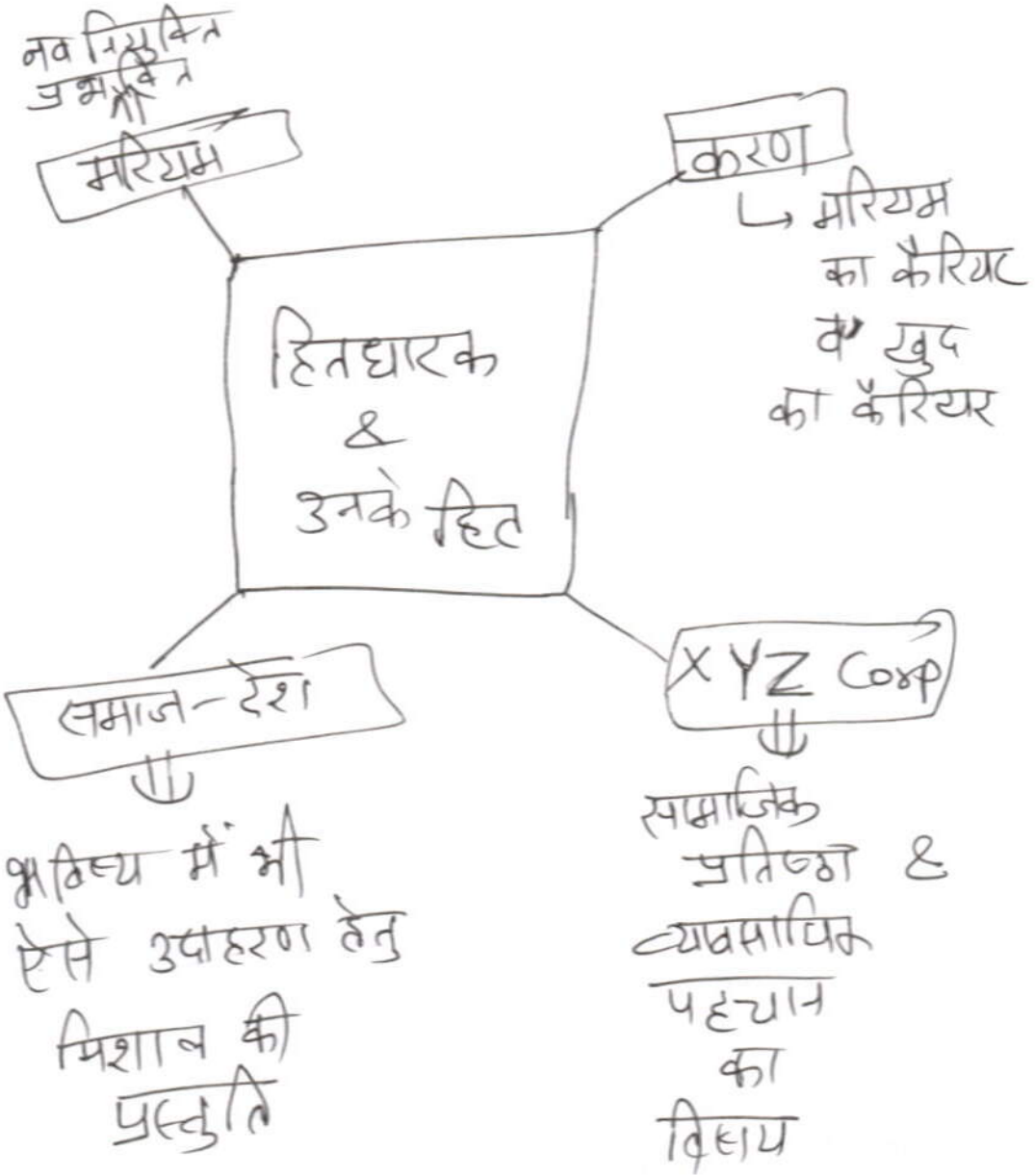

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⇒ करण द्वारा नैतिक दुविधा का सामना

1. मरियम जैसी अन्य सहयोगी महिला का हित
v/s
कंपनी में उपस्थित यौन दुराचार

2. स्वहित सीमितता v/s पर हित व्यापकता

3. सत्यनिष्ठा v/s कार्य निष्ठा

4. कंपनी हित v/s सार्वजनिक हित

5. न्याय v/s कंपनी का आर्थिक मुनाफा

⇒ करण के समक्ष उपलब्ध विकल्प

1. स्वीकार करना (Adopt)

गुण	दोष
→ स्वहित सुरक्षित → कंपनी हित	→ मरियम के साथ अन्याय → नैतिक सुरक्षा कुप्रभावित

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② Ignore (उपेक्षा)

गुण
- ↳ स्वहित सीमितता
- ↳ भविष्य में करियर ग्रोथ

दोष
- ↳ कंपनी में यौन दुराचार बढ़ेगा।

③ परिवर्तन (change)

गुण
- ↳ स्वयं द्वारा नेतृत्व उदाहरण पेश
- ↳ मरियम के साथ न्याय
- ↳ दोषी को दंड

दोष
- ↳ करियर ग्रोथ दुष्प्रभावित
- ↳ कंपनी का हित नुकसान

⇒ करण को विकल्प-③ चुनना चाहिए

कारण

① तटस्थ व्यक्ति दरअसल अपराध में शामिल होता है।

अतः शिकायत जरूरी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) POSH एक्ट की वास्तविक क्रियान्वयन की सुनिश्चिति

(3) सत्यनिष्ठा व गलत का विरोध करने का साहस

(4) व्यावसायिकता नैतिकता की अभिपुष्टि।

संगठनों की जिम्मेदारी

(1) ICC (इंटरनल कंपलेन्स समिति) स्थापित होनी चाहिए।

(2) CCTV व सदस्यों की व्यवहार दृष्टिता पर जोर

(3) जाँच में दोषी पाये जाने पर पुलिस शिकायत → न्यायिक कार्यवाही

(4) मरियम जैसी पीड़िताओं की पहचान गुप्त-गोपनीय

(5) भविष्य में शोषण हेतु हितधारकों से परामर्श प्रक्रिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

(c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
(b) What option should Jay adopt and why?
(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी व घोटाले का यह मामला **जय** हेतु व्यावसायिक नैतिकता का परीक्षण करता है। शंभुराम यादव केस में सुप्रीम कोर्ट की दिशा-निर्देश यहाँ प्रासंगिक है।

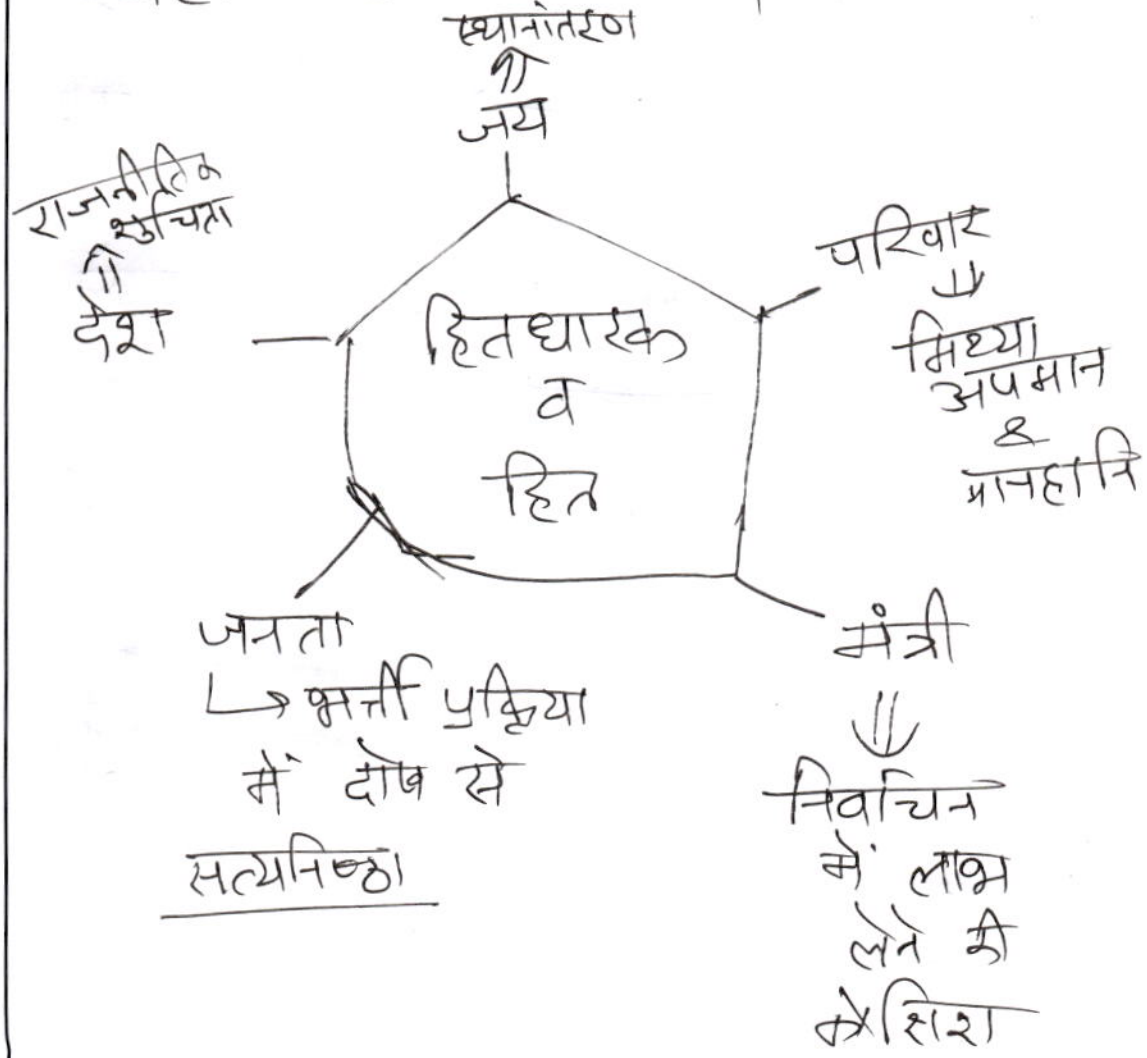

9) जय के पास विकल्प

① भर्ती प्रक्रिया को अंतिम स्वीकृति

गुण

- → जय हेतु भविष्य में अधिक कॅरियर ग्रोथ
- → मंत्री → निर्वाचन फायदा
- → समस्या का सार्वजनिक प्रकटीकरण कम होगा।

दोष

- → व्यावसायिक नैतिकता के साथ समझौता
- → राजनीतिक अपराध वृद्धि
- → देश हित बाधित

② पद की गरिमा को ध्यान में देखते हुए पद-स्थानांतरण

गुण

- → समस्या से पीछा छूटेगा।
- → अन्य विभाग में शांतिपूर्वक कार्य
- → परिवार हित

दोष

- → समस्या से भागना स्थायी समाधान नहीं
- → अपराध व घोटाले और बढ़ेंगे

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

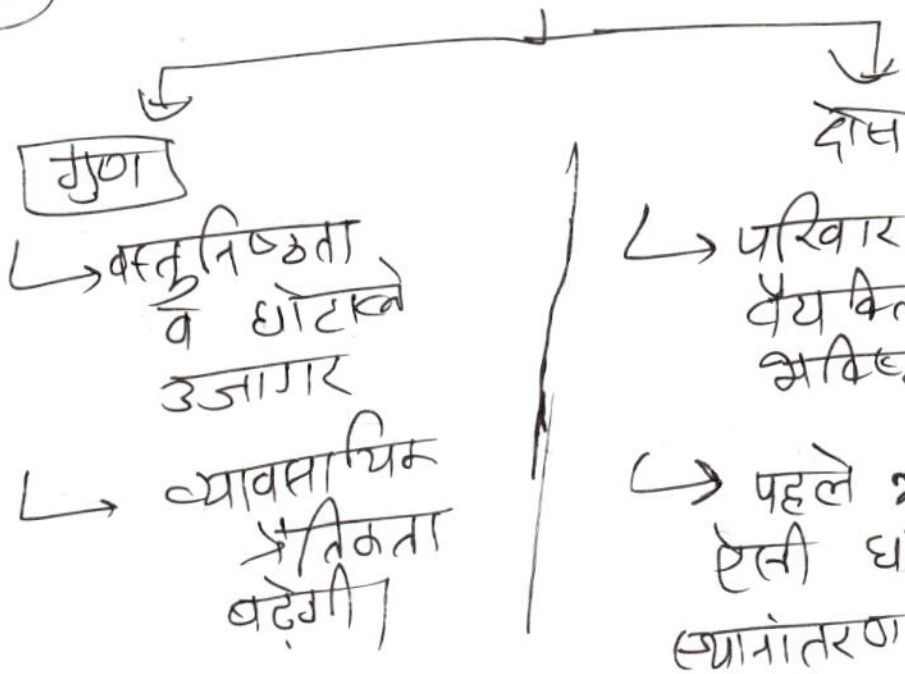

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) भर्ती प्रक्रिया पर जाँच स्थापन

गुण	दोष
→ वस्तुनिष्ठता व छोटकने उजागर	→ परिवार व वैयक्तिक भविष्य दाँव पर
→ व्यावसायिक नैतिकता बढ़ेगी।	→ पहले भी ऐसी घटना में स्थानांतरण हुआ।

b) जय को विकल्प - (3) अपनाना चाहिए।

कारण

(1) समस्या से भागना दरअसल समस्या में वृद्धि करेगा।

(2) SIT टीम स्थापना तथा मामले की जाँच

(3) SIT रिपोर्ट के आधार पर मामले पर न्यायिक अभिस्वीकृति (संवैधानिक माध्यम का प्रयोग)

(4) न्यायिक निर्णय के पश्चात मंत्री पर कार्रवाई तथा जनता के समक्ष यथातथ्य चित्रण

(5) भविष्य में SOP निर्माण द्वारा भर्ती प्रक्रिया में शुचिता सुनिश्चित की जाए।

(6) मिलीभगत का निपटारा हो (गठबंधन)

C) जय को बेहतर सुरक्षा

(1) ~~अनुच्छेद~~ 311 ⟶ सिविल सेवक को पद सुरक्षा

(2) सद्भाविक भूल हेतु दण्ड व्यवस्था न हो।

(3) समिति निर्माण तथा जाँच पर कार्यवाही।

(4) जय को समकक्षों व वरिष्ठों से पक्षपोषण में विशेष सहायता का प्रावधान हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी में आरे (Array) वन संकट (मुंबई) जैसी विरोधाभासी स्थिति प्रतीत होती है। यहाँ वन संरक्षण व विकास गतिविधि के मध्य तीव्र विरोधाभास है।

अपेक्षित मूल्य जो मेरे में होने चाहिए

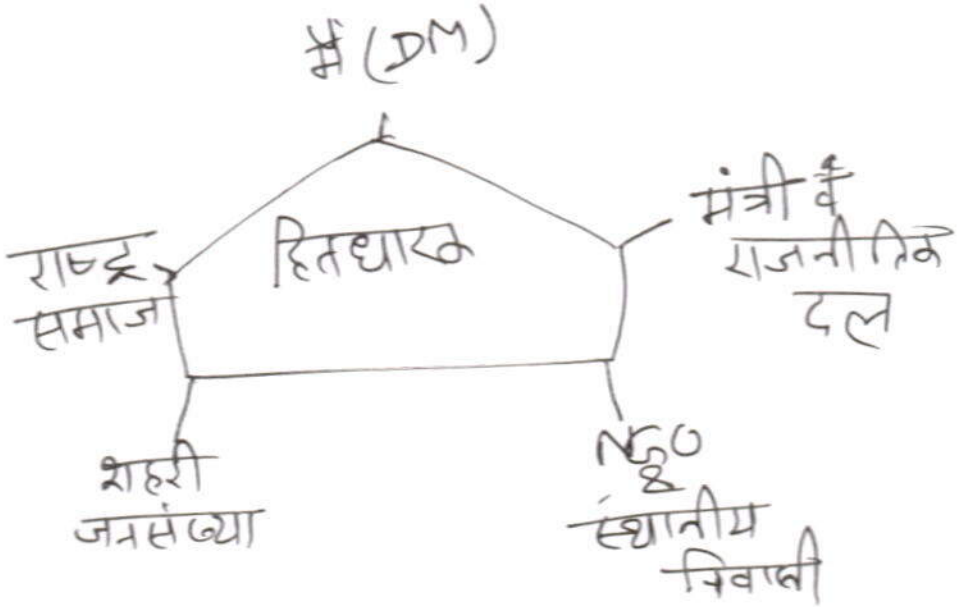

→ वस्तुनिष्ठता & जाँच परीक्षण क्षमता
→ सत्यनिष्ठा – ईमानदारी
→ तटस्थता – निष्पक्षता
→ जनहित कल्याण सर्वोपरि

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

a) नैतिक दुविधा :-

- साधन v/s साध्य
- स्वहित सीमितता v/s परहित व्यापकता
- निष्पक्षता v/s राजनीतिक पक्षधरता
- पर्यावरण v/s विकास मुद्दा
- जनहित v/s पर्यावरण
- राजनीतिक शुचिता v/s व्यावसायिक नैतिकता
- इन्फ्रास्ट्रक्चर v/s वन संरक्षण

b) उपलब्ध विकल्प

(1) मेट्रो डिपो का सुचारु निर्माण

पक्ष	विपक्ष
सार्वजनिक परिवहन सुगम	वनो-मूलन
आर्थिक गतिविधि	कार्बन सिंक की भूमिका कम

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② पद - त्याग व अन्य स्थांनांतरण

गुण	दोष
↳ समस्या से छुटकारा	↳ भगौड़ा व नैतिक अपराधी की संज्ञा
↳ परिवार व मेरी जान सुरक्षित	↳ लोगों व वन का हित नुकसान

③ लोगों से व्यवस्थित बातचीत (वार्ता) तत्पश्चात डिपो निर्माण

↳ दोनों हित सुरक्षित	↳ वन नुकसान
↳ कॅरियर ग्रोथ संभव	↳ जलवायु परिवर्तन तीव्र

→ मैं विकल्प ③ चुनूंगा

कारण :-

① सर्वप्रथम NGO व पर्यावरण कार्यकर्ता से बातचीत व समस्या समाधान

(2) मेट्रो डिपो निर्माण संचालन दुरस्त हो।

(3) वन नुकसान की भरपाई

→ CAMPA फंड के तहत अन्यत्र वनारोपण

→ मेट्रो डिपो के भविष्यकालिक लाभ का प्रयोग। पर्यावरणीय मुद्दे पर हो।

→ NGT के निर्णयों की राय लेना

→ समिति निर्माण & परामर्श मंच

c) संतुलन हेतु उपाय

(1) विकास → संधारणीय हो अतः पर्यावरण क्षरण हेतु अनिवार्य EIA हो।

(2) व्यापक SOP निर्माण ताकि भविष्य में ऐसे निर्णय लिया जाए।

(3) गोदावर्मन केस (1996) सुप्रीम कोर्ट के निर्देश माने जाए।

(4) पर्यावरण हित का संवर्द्धन जरूरी हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

(a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी में फार्मास्युटिकल क्षेत्र में उपस्थित नवीन दवा विकास हेतु विरोधाभासी स्थिति मौजूद है।

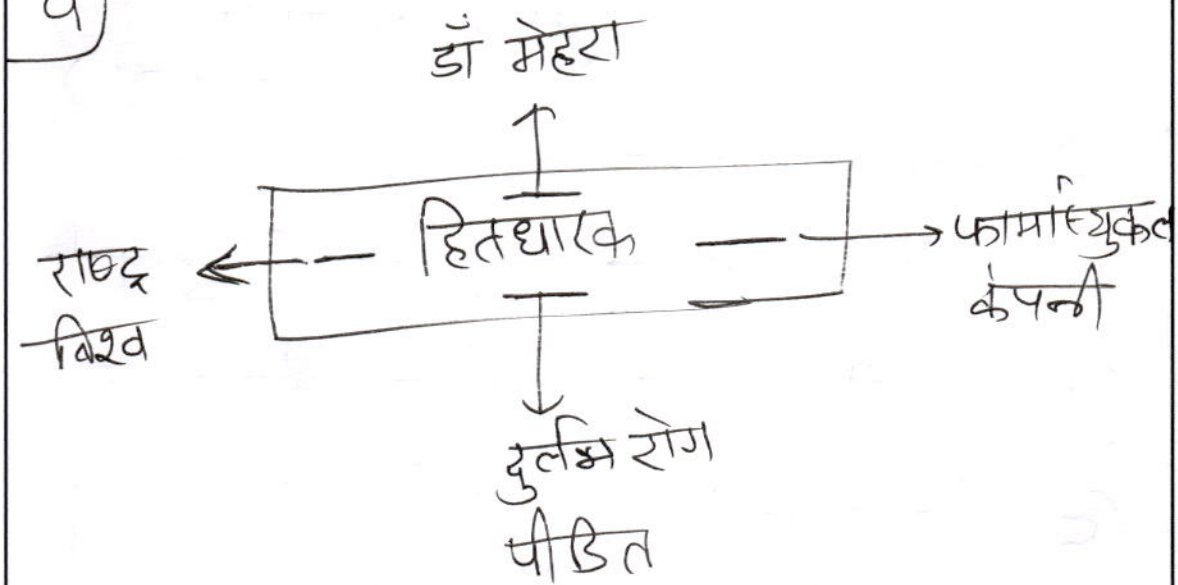

9)

→ डॉ. मेहरा में अग्रलिखित गुण अपेक्षित है।

1. व्यावसायिक नैतिकता
2. सत्यनिष्ठता
3. कंपनी हित के समर्पण त्याग।
4. मानवता & विश्व कल्याण

b) **नैतिक मुद्दे** –

1. ड्रग की विश्वसनीयता संदिग्ध
2. कंपनी का व्यावसायिक धनार्जन v/s दुर्लभ रोग पीड़ितों की गरिमा पूर्ण जीवन का अधिकार (अनु. 21)
3. परमानंद कटारा v/s UoI केस
   - → स्वास्थ्य हेतु सरकारी उत्तरदायित्व
4. डॉ. मेहरा का वैयक्तिक कॅरियर
5. दीर्घकालिक दुष्परिणामों को ध्यान रखना।

c) → **डॉ. मेहरा के समक्ष विकल्प**

1. दवा की पब्लिक उपस्थिति

पक्ष
- → दुर्लभ रोगी का इलाज
- → व्यावसायिक लाभ

विपक्ष
- → दीर्घकालिक दुष्परिणाम
- → सरकारी विनियमन का उल्लंघन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) ड्रग डेवलपर पद से हटना तथा स्वहित ध्यानता

विपक्ष (दोष)
- इतनी मेहनत का लाभ नहीं मिला
- व्यावसायिक नैतिकता से समझौता

पक्ष (गुण)
- सरकारी जाँच व ट्रायल से दूर
- स्वहित को समर्थन

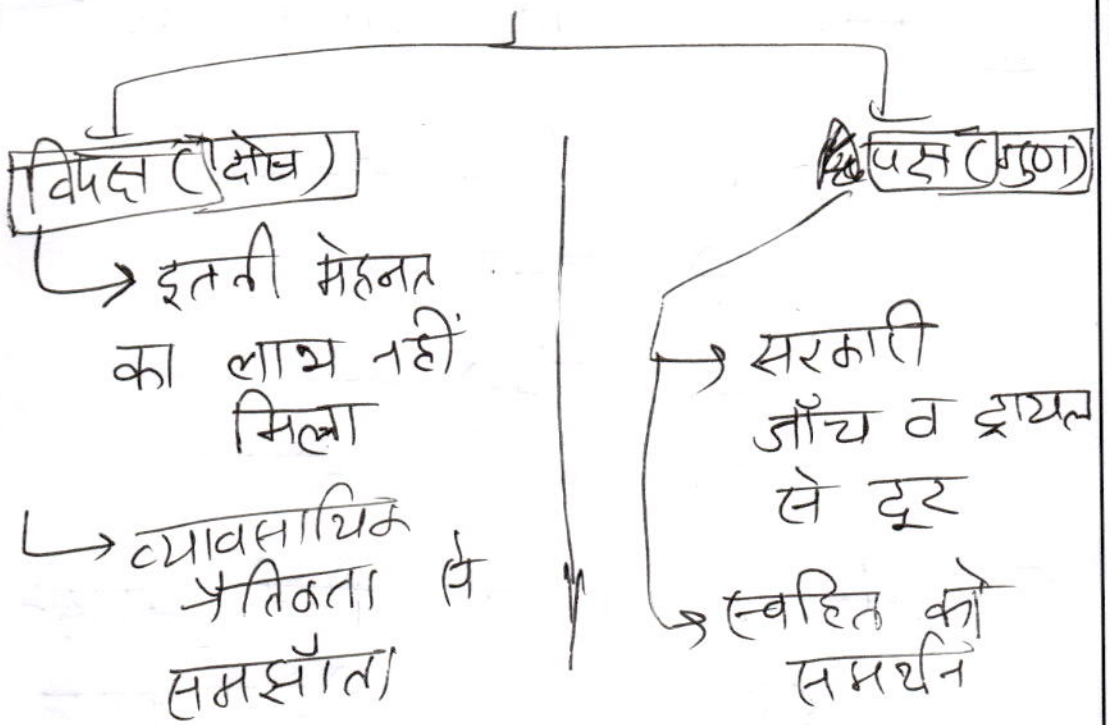

(3) दवा का पुन: परीक्षण तत्पश्चात सरकारी परीक्षण की अनुमति

पक्ष
- रोगियों की जीवन रक्षा
- परिणाम का पुन आँकलन

विपक्ष
- सरकारी परीक्षण में खारिज होने का खतरा

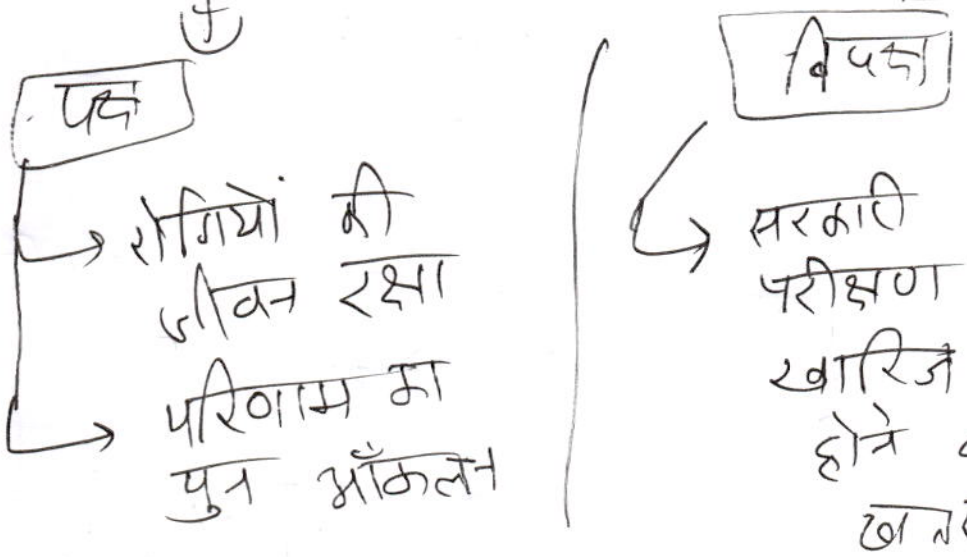

डॉ मेहरा को विकल्प (3) चुनना चाहिए

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कारण

(1) कंपनी को पुनः दवा पर परीक्षण

⇓

दीर्घकालिक दुष्परिणाम की जाँच

⇓

सरकारी परीक्षण हेतु क्लिनिकल ट्रायल

(2) दुर्लभ रोगियों पर किसी साइड-इफेक्ट पर विशेष ध्यान

(3) दवा का अपेक्षित परिणाम प्राप्त होने के पश्चात विपणन को मंजूरी।

(4) रोगी अधिकार व कंपनी के व्यावसायिक हित दोनों सुरक्षित

निष्कर्ष: स्वास्थ्य एक सर्वोपरि तत्व है जिसकी उपेक्षा वांछित नहीं

SDG-3

11. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी सरकारी तंत्र में मौजूद क्रेडिट (श्रेय) लेने v/s ईमानदारी पूर्वक कार्य करने से संबंधित है।

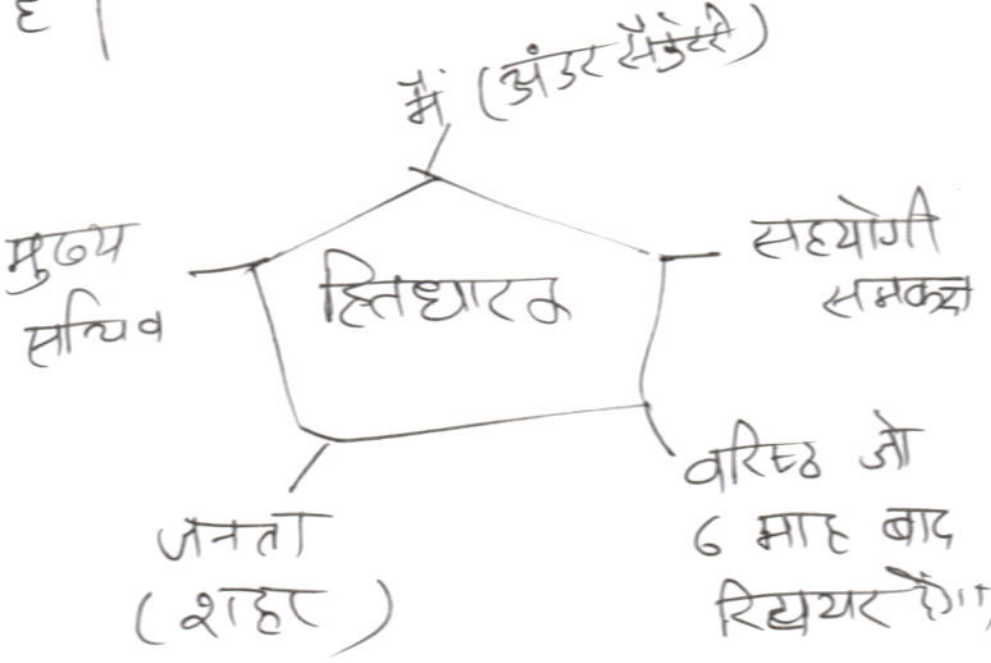

a → **नैतिक मुद्दे**

(1) ईमानदारी कार्य करने वाला व्यक्ति अंततः निष्क्रिय वरिष्ठ से हार जाता है।

(2) सरकारी तंत्र में मौजूद उदासीन - निष्क्रिय कार्यसंस्कृति

(3) उच्चस्थ - अधीनस्थ का कठोर पदानुक्रम

(4) व्यावसायिक नैतिकता अंततः दुष्प्रभावित

b मनोबल & उत्पादकता पर प्रभाव

(1) यथास्थितिवाद रवैया
→ निष्क्रिय कार्यस्थल
↓
अंततः देश विकास दुष्प्रभावित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) सक्रिय रूप से कार्य करने वाला अंततः निष्क्रिय कार्यस्थल से समझौता हेतु मजबूर

(3) भ्रष्टाचार व अनैतिक क्रियाकलाप

(4) क्रेडिटजीवी संस्कृति प्रोत्साहित

(5) समस्या का व्यवहार्य समाधान नहीं बल्कि बेईमानों द्वारा स्वहित पूर्ति पर बल।

C) विकल्प

(1) ~~[illegible]~~ कार्यस्थल की निष्क्रिय संस्कृति स्वीकार करना

- पक्ष
  - स्वहित संवर्द्धन
  - सरकारी तंत्र की भ्रष्टाचारी प्रवृत्ति विजित
- विपक्ष
  - कॅरियर ग्रोथ की सीमित संभावना
  - राष्ट्र नुकसान

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

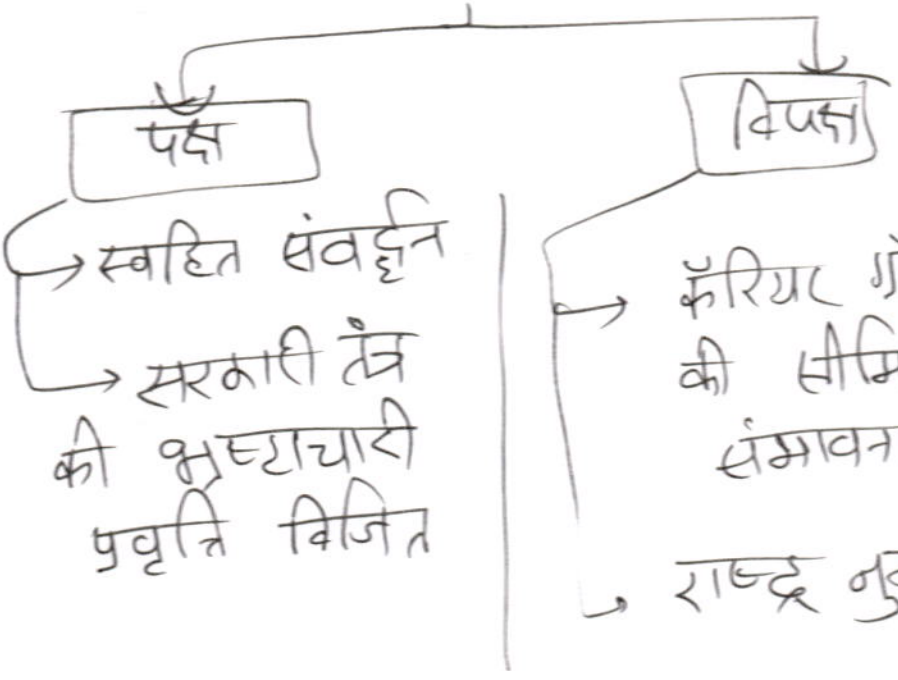

विकल्प – ②

→ मुख्य सचिव को वस्तुस्थिति का वर्णन करेगा

पक्ष

→ मेरे कार्य का क्रेडिट मुझे मिलेगा

→ भ्रष्टाचारी हतोत्साहित

विपक्ष

→ वरिष्ठों के साथ शत्रुता

→ रिवेंज कल्चर को प्रोत्साहन

स्थिति का समाधान

① सर्वप्रथम तथ्य – साक्ष्य आधारित रिपोर्ट का निर्माण

⇓

वरिष्ठ & अन्य समकक्षों को ~~[illegible]~~ आग्रह कि कार्य – क्रेडिट का त्याग करें

⇓

मुख्य सचिव तक रिपोर्ट पहुँचे

⇓

शहरी अवसंरचना का विकास संभव

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.

(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी में EIA संबंधी घोटाले - गड़बड़ियों पर विशेष प्रकाश डाला गया है कि कैसे EIA का अनुचित रिपोर्ट प्रकाशन द्वारा उल्लंघन किया जा रहा है।

→ **अपेक्षित गुण**
- → सत्यनिष्ठा
- → वस्तुनिष्ठता व खुलापन
- → भ्रष्टाचार - गड़बड़ी

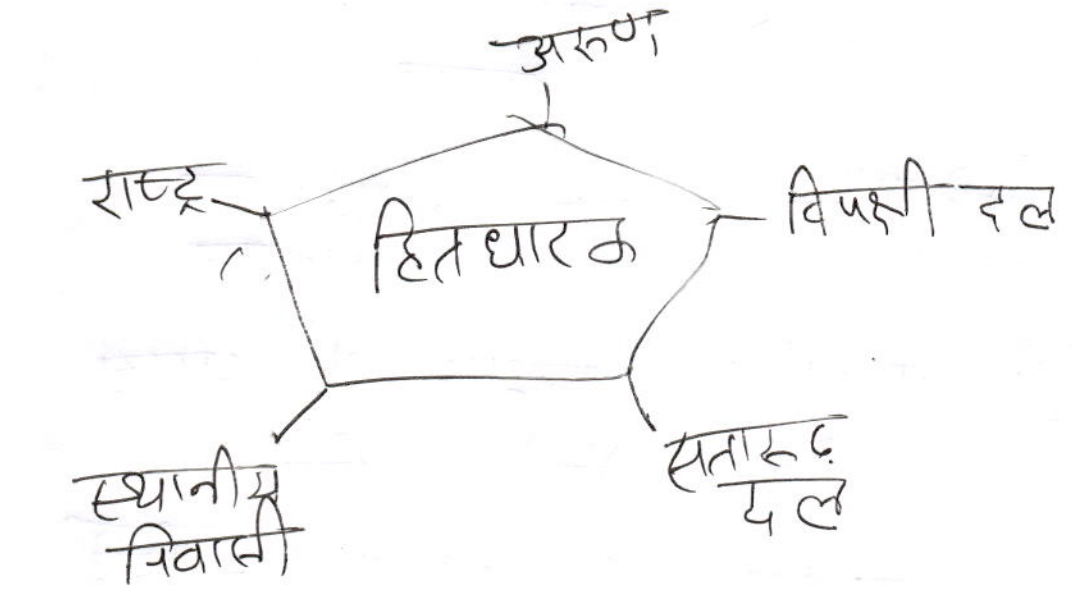

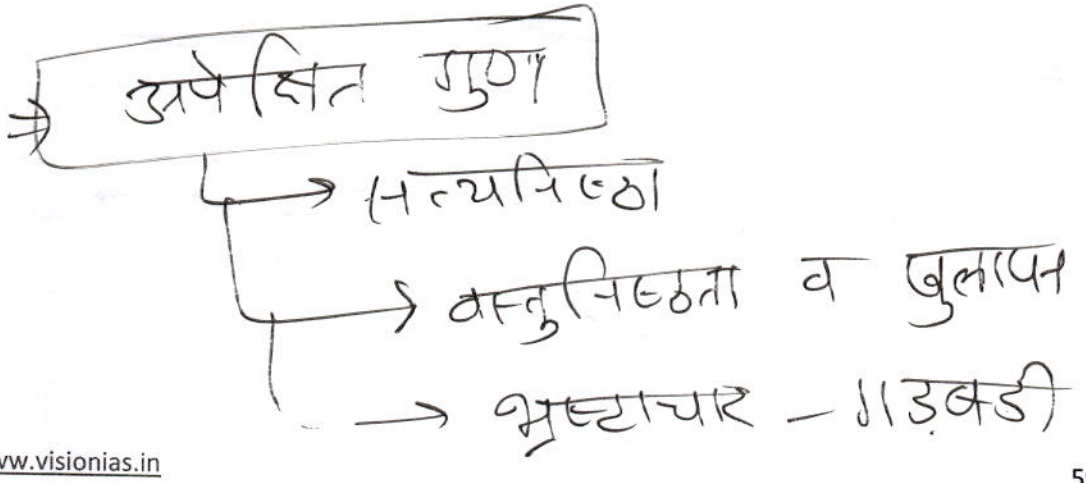

9) नैतिक मुद्दे -

① व्यावसायिक हित संवर्द्धन हेतु पर्यावरण व क्षेत्रीय निवासियों के हितों से समझौता

② EIA जैसी प्रगतिशील प्रथा का अनुचित दुरुपयोग

③ अनैतिक गठबंधन
↳ परस्पर आर्थिक हित साधन

व्यक्तिगत फायदा ⟵ ⟶ देश का नुकसान

④ सच्चरित्र नौकरशाह के समक्ष नैतिक चुनौतियां कि
जनहित v/s व्यावसायिक हित

⑤ गोदावर्मन केस की सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश उपेक्षित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

b) विकल्प

① EIA को स्वीकृति

- पक्ष
  - व्यावसायिक हित संवर्द्धन
  - ताँबा गलन संयंत्र से रोजगार सुनिश्चित
  - राष्ट्रीय आर्थिक विकास
- विपक्ष
  - व्यावसायिक नैतिकता से समझौता
  - जनता का स्वास्थ्य कुप्रभावित

② EIA पर पुनः जाँच तत्पश्चात निर्णयन

- पक्ष
  - क्षेत्रीय हित
  - जन स्वास्थ्य अभिवृद्धि
  - व्यावसायिक नैतिकता
- विपक्ष
  - कॅरियर ग्रोथ सीमितता
  - रोजगार कमी के कारण गरीबी

मैं विकल्प (2) का चयन करूँगा

कारण

→ जनता के व्यापक हितों हेतु EIA रिपोर्ट की पुनः निष्पक्ष जाँच

↳ फर्जी प्रयोगशालाओं पर विधिक कार्रवाई (अनुशासन उपेक्षा की दोषी)

↳ समिति निर्माण → 3 विशेषज्ञ सदस्य
→ 3 पर्यावरण सदस्य

↳ समिति जाँच के पश्चात

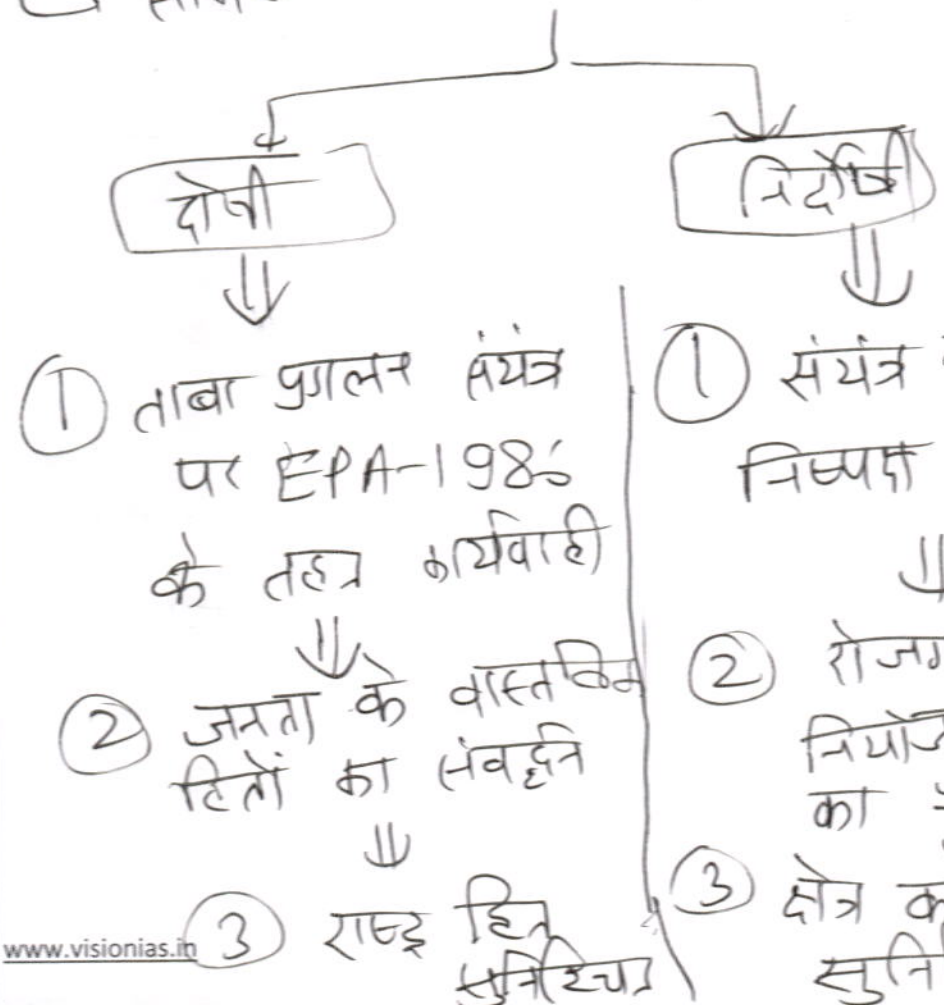

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK